भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

कपास की खेती के लिए 16 सितंबर से 22 सितंबर, 2019 की चौदहवीं साप्ताहिक सलाह

	वास्तविक वर्षा (**मिली मी.**) भा.मौ.वि. विभाग					**अनुमानित वर्षा की स्थिति (मिली मी.)** भा.मौ.वि. विभाग						सलाह
	सितंबर					सितंबर						
दिनांक	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**	**21**	**22**	
हरियाणा												
हिसार	0	0	0	0	0	0	30	0	0	3	0	सिरसा में, फसल 120 से 130 दिन पुरानी है जो प्रजनन तथा गूलर विकास / प्रस्फुटन अवस्था में प्रवेश कर रही है। फसल अच्छी स्थिति में है। सफ़ेद मक्खी की औसत आबादी 03-17.8, थ्रिप्स की 1-7 और तेला(जेसिड) 0-6.0 प्रति 3 पत्तियों के बीच थी। कुछ क्षेत्रों में पेराविल्ट के लक्षण देखे गए हैं। किसानों के खेतों में गुलाबी सूँडी (पीबीडब्ल्यू) का संक्रमण नहीं देखा गया है लेकिन सिरसा और उचाना (जींद जिला) और शमशाबाद पट्टी(सिरसा) के कुछ क्षेत्रों के ओटाई कारखानों के आस-पास के ट्रैप में गुलाबी सूँडी (पीबीडब्ल्यू) को पकड़े जाने की सूचना दर्ज की गई है। उचाना (जींद जिला) के एक विशिष्ट स्थान पर गुलाबी सूँडी (पीबीडब्ल्यू) का संक्रमण 4 से 24% संख्या सीमा दर्ज किया गया| सभी रसचूषक कीटों की संख्या आर्थिक हानि स्तर (ईटीएल) से नीचे है लेकिन सफ़ेद मक्खी की प्रवृत्ति विस्तार की ओर है। हिसार में, फसल 100 से 120 दिन पुरानी है, जो पुष्पन से गूलर विकास अवस्था में प्रवेश कर रही है। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए हुए थे / आसमान साफ था| खेतों में उर्वरकों की खुराक दी जा चुकी है| अधिकांश खेत खरपतवारों से मुक्त है| सफ़ेद मक्खी की संख्या आर्थिक हानि स्तर के निकट थी | तेला (जेसिड) और थ्रिप्स का विस्तार निम्न स्तर पर देखा गया। फसलों में पत्ती मोडक रोग (CLCuD) देखा गया था लेकिन अब नियंत्रण में है| किसानों के खेतों में सूटी कवक, जड़ गलन (देसी कपास में), फ्यूजेरियम
जींद						0	12	0	0	4	0	
सिरसा						0	15	0	0	0	0	
रोहतक	0	0	0	0	0	0	10	0	0	0	0	

												विल्ट, बैक्टीरियल ब्लाइट और मायरोथेशीयम लीफ स्पॉट का भी विस्तार देखा गया| कुल मिलाकर, फसल की स्थिति अच्छी है। **<u>सलाह:</u>** यदि रसचूषक कीटों का संक्रमण आर्थिक हानि (ईटीएल) स्तर से ऊपर (सफ़ेद मक्खी 6 वयस्क/पत्ती, तेला (जेसिड) 2 निम्फ/पत्ती) दिखाई दे तो डायफ़ेन्थियुरॉन @ 200 ग्राम प्रति एकड़ या सफ़ेद मक्खी का संक्रमण दिखाई दे तो इथिऑन 800 मिली प्रति एकड़ या फ्लोनिकेमिड @ 80 ग्राम प्रति एकड़ या सफ़ेद मक्खी तथा तेला (जेसिड) का संयुक्त संक्रमण दिखाई दे तो डिनोटफ़्यूरान 60 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें| यदि पत्तियों के नीचे इनके अंडों और नवजात कीट (निम्फ) की अधिक आबादी देखी जाती है, तो पायरीप्रोक्सीफेन 10 ईसी @ 400-500 मिली / एकड़ या स्पायरोमेसीफेन 22.9 एससी 200 मिली / एकड़ के छिड़काव की सलाह दी जाती है। यदि देसी कपास (आर्बोरियम) में धब्बेदार सूँडी का संक्रमण दिखाई देने लगे तो स्पिनोसैड @ 75 मिली / एकड़ या इंडोक्साकार्ब @ 200 मिली / एकड़ 200 लीटर पानी के साथ अनुप्रयोग करें। यदि पौधों में पैराविल्ट का संक्रमण दिखाई देने लगे तो किसानों को यह सलाह दी जाती है की वे संक्रमित पौधों पर ही कोबाल्ट क्लोराइड @ 1.0 ग्राम / 100 लीटर पानी के साथ छिड़काव करें। यदि पत्तियों में पत्ती धब्बा रोग दिखाई दे तो कार्बेंडाजिम 50% डब्लूपी 400 ग्राम या पैराक्लोस्ट्रोबिन 20% डब्लूजी 200 ग्राम या मेटिराम 55% + पैराक्लोस्ट्रोबिन 5% डब्लूजी 200 ग्राम प्रति एकड के हिसाब से फसल में छिड़काव करें| किसानों को यह भी सलाह दी जाती है कि पोटेशियम नाइट्रेट (एन:पी:के 13:0:45) @ 2.0 कि.ग्राम प्रति 200 लीटर पानी के साथ पौधों में छिड़काव करें|
राजस्थान												
अजमेर	0	0	0	0	0	0	7	13	0	0	10	श्रीगंगानगर में, फसल 110 से 135 दिनों पुरानी है जो गूलर विकास तथा गूलर खुलने की अवस्था में है | खेतों में आवश्यकतानुसार सिंचाई की गई है तथा उर्वरक पोटाशियम नाइट्रेट 2% की तीसरी खुराक दी जा चुकी है। जेसीड का विस्तार आर्थिक हानि स्तर (0.33-0.67 / 3 पत्ते) से नीचे देखा गया, सफ़ेद मक्खी का विस्तार आर्थिक हानि स्तर (10.67-19.33 / 3 पत्ते) से नीचे देखा गया तथा थ्रिप्स (1.33- 6.67 / 3 पत्ते) में देखा गया|
जोधपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
नागौर						0	5	4	0	4	4	

पाली	0	0	0	0	0	0	15	18	0	16	29	देसी कपास में *एरीआस एसपीपी.* का विस्तार देखा गया और गैर-बीटी अमेरिकी कपास में 1.00-2.33 लार्वा / 20 पौधों पर दर्ज किया गया। गुलाबी सूँडी के 0.67-1.67 वयस्क पतंगे को प्रति फेरोमोन ट्रैप / सप्ताह में पकडा जाना दर्ज किया गया। किसानों के खेतों में कपास पत्ती मोडक विषाणु रोग (CLCuD PDI 10-15%) देखा गया।
श्री गंगानगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	बांसवाड़ा में, फसल 76 दिन पुरानी है जो वनस्पतिक से पुष्पन अवस्था तथा गूलर विकास अवस्था में है| फसल की स्थिति अच्छी है लेकिन लगातार बारिश और कम धूप के कारण खेतों में पानी भरा है जिससे पौधे की वृद्धि रुक गई है| अंत: सस्य क्रियाएँ न हो पाने के कारण खेत खरपतवारों से भरे हुए है। जेसिड का संक्रमण आर्थिक हानि स्तर (ईटीएल) से ऊपर देखा गया है लेकिन सफ़ेद मक्खी का संक्रमण निम्न है । किसान के खेतों में कोई भी रोग नहीं देखा गया है। **<u>सलाह:</u>** धब्बेदर सूँडी के नियंत्रण के लिए इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी @ 4 ग्राम / एकड़ या स्पिनोसैड 45 एससी @3.5 मिली / एकड़ का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। बांसवाड़ा के किसानों को सलाह दी जाती है की वर्षा के पूर्वानुमान को देखते हुए खेतों से जल निकासी की उचित व्यसथा करें| गुलाबी सूँडी की निगरानी के लिए फेरोमोन ट्रैप एक हेक्टर में दो (2 / एकड़) स्थापित करें और गुलाबवत फूल हो तो उसे भी हटा दें। फसल में कीटों तथा पेराविल्ट संक्रमण की भी निगरानी करें| पौधों में पैराविल्ट का संक्रमण दिखाई देने के तुरंत बाद संक्रमित पौधों पर कोबाल्ट क्लोराइड @ 10मिली ग्राम / लीटर पानी (10 पीपीएम) का छिड़काव करें जिसे पौधो को बचाया जा सकता है। किसानों को सलाह दी जाती है की रसचूषक कीटों के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए एसिटामिप्रीड 20 एसपी @ 40 ग्राम प्रति एकड़ या बुप्रोफेजिन 25ईसी @ 500 मिली प्रति एकड़ या डायफेनथ्यूरोन 50 डब्ल्यूपी @ 250 ग्राम प्रति एकड़ या फ्लोनिकमिड 50 डब्ल्यूजी @ 80 ग्राम प्रति एकड़ में से किसी एक का छिड़काव करें| एक ही कीटनाशक अथवा एक ही समूह के कीटनाशक के प्रयोग को न दोहराएँ|
मध्यप्रदेश												
खरगौन	1.2	41.2	40.2	3.2	0	41	32	11	21	30	20	खंडवा में, फसल 81 से 131 दिनों पुरानी है जो वनस्पतिक से पुष्पन और गूलर विकास

धार	5.2	56.8	24	0	0.5	14	13	17	12	38	61
खंडवा	0	0	0	0	0	60	21	29	41	58	62

अवस्था में है | मौसम अधिकतर बादल और बारिश वाला था। अंत:सस्य क्रियाएँ (इंटर कल्चरल ऑपरेशन), कीटनाशक का अनुप्रयोग और उर्वरक डालने का कार्य किया जा चुका है| रसचूषक कीटों का संक्रमण आर्थिक हानि स्तर (ईटीएल) से नीचे है। जलभराव वाले क्षेत्रों की फसल में जड़ गलन देखा गया है| इन क्षेत्रों में कार्बेन्डाजिम 50% डब्लूपी 2 ग्राम / लीटर के साथ विशेष रूप से प्रभावित पौधों के आस-पास भीगाकर जड़ गलन नियंत्रित किया गया|

<u>सलाह:</u>

इस सप्ताह के दौरान निराई और अंतसस्य क्रियाएँ अवश्य करे। किसानों को सलाह दी जाती है की वे उर्वरक @ 150: 75: 40 किलोग्राम / हेक्टर की दर के साथ 25% नाइट्रोजन(N) 90 दिन पुराने फसल में डालें | जहाँ जेसीड तथा सफ़ेद मक्खी की संख्या आर्थिक हानि स्तर को पार कर जाती है तो इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 3 मिली या थियामेथोक्साम 25 डब्लूजी 2 ग्राम या एसीटामीप्रीड 20 एसपी 2 ग्राम/10 लीटर पानी के साथ अनुप्रयोग करें| गुलाबी सूँडी की निगरानी के लिए 5 फेरोमोन ट्रैप प्रति हेक्टेयर के हिसाब से खेतों में लगाएँ|

आदर्श वर्षा

वर्षा (मिमी)

<5	5-20	21-50	51-80	>80

0.0 मिमी वर्षा (कोई वर्षा नहीं)।

रिक्त स्थान पर जानकारी उपलब्ध नहीं है।

स्रोत : http://imdagrimet.gov.in